

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3---उपखण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 288]

नई बिह्ली, सोमत्रार, ग्रंगस्त 10, 1970/श्रावण 19, 1892

No. 288] NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 10, 1970/SRAVNA 19, 1892

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ध्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE (Department of Internal Trade)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 10th August 1970

S.O. 2733.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 15 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), the Central Government hereby declares that the said section shall apply to gur in the whole of India, and fixes under clause (a) of section 16 of the said Act, the rate prevailing at the time at which the forward market in gur closed on the date of this notification, or if there was no trading on that date, on the last preceding date of trading, as the rate at which any such forward contract entered into on or before the date of this notification and remaining to be performed after the said date shall be deemed to be closed.

[No. 12(4)-I.T./70-I.]

बोद्योगिक विकास बीर ब्रास्तरिक व्यापार मंत्रालय

(झरतरिक व्यापार विभाग)

प्रधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 10 भगस्त, 1970

का॰ भा॰ 2733.--श्रीप्रम संविदा (विनियमन) श्रधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 15 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार

एतद्बारा घोषित करती है कि उन्त धारा सम्पूर्ण भारत में गुड़ को लागू होगी घोर उन्त प्रधि-नियम की धारा 16 के खण्ड (क) के प्रधीन, उस समय, जब इस प्रधिसूचना की तारीख को गुड का वायदा बाजार बन्द हुन्ना था, या यदि उस तारीख को कोई व्यापार नहीं हुन्ना था तो व्यापार की श्रंतिम पूर्शगामी तारीख को प्रचलित दर को उस दर के रूप में नियत करती है जिस पर इस श्रधि-मूचना की तारीख को या उसके पूर्व की गई स्रोर उक्त तारीख के पश्चात् पालन किए जाने के लिए शेष ऐसी कोई ग्रग्निम सविदा बन्द हुई समझी जाएगी।

[सं॰ 12 (4)-श्राई॰ टी॰/70-**I**.]

S.O. 2734.—Whereas the Central Government is of the opinion that in the interest of the trade and in the public interest, it is expedient to regulate and control non-transferable specific delivery contracts in respect of gur;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 18 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (14 of 1952), the Central Government hereby declares that the provisions of sections 5 to 14 (both inclusive) and section 15 of the said Act shall apply to non-transferable specific delivery contracts in respect of gur in the whole of India and specifies that the said provisions shall apply if such non-transferable specific delivery contracts are regulated or controlled by an association.

[No. 12(4)-I.T./70.II.]

कां आर 2734.-- यत: केन्द्रीय सरकार की राय है कि व्यापार के हित में ग्रीर लोक हित में यह सभीचीन है कि गड़ के बारे में श्रनन्तरणीय विनिदिष्ट परिदान संविदाश्रों को विनियमित श्रीर नियंत्रित किया जाए।

श्रतः ग्रब ग्रग्रिम संविदा (विनियमन) श्रधिनियम 1952 (1952 का 74) की धारा 18 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदृहारा घोषित करती है कि उक्त ग्रिधिनियम की धारा 5 मे लेकर 14 तक (जिसमें ये दोनों भी सिम्मिलित ^{है}) ग्रीर धारा 15 के **उपब**न्ध सम्पूर्ण भारत में गृड़ के बारे में ग्रनन्तरणीय विनिद्दिट पश्दिान संविदाश्रों को लागू होंगे ग्रीर विनिर्दिष्ट करती है कि उक्त उपबन्ध केवल तब लागू होंगे यदि ऐसी अनन्तरणीय विनिर्दिष्ट 'रिदान सविधाएं किसी संगम द्वारा विनियमित या नियंत्रित है ।

[सं० 12 (4)-ग्राई० टी०/70-II.]

- S.O. 2735.—The Central Government having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the associations as per list attached and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act recognition to the said associations for a period of three years from the 10th August, 1970, to the 9th August, 1973, (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.
- 2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said associations shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

Names of the Associations

- The Vijal Beopar Chamber Limited, Muzaffarnagar.
 The Kaiserganj Beopar Company Limited, Meerut.
- 2. The Kaisergan Beopar Company Inflicts, Meetal.
 3. The Chamber of Commerce, Hapur.
 4. The Agra Merchants' Chamber Limited, Agra.
 5. The Ludhiana Grain Exchange Limited, Ludhiana.
 6. The India Exchange Limited, Amritsar.
 7. The Tijarti Chamber Sarrafan, Beawar.

 6. The Schelman Grain Exchange Limited, Volkery

- 8 The Shahupuri forward Exchange Limited, Kolhapur

[No. 12(4)-I.T./70-III.]

का० ग्रा० 2735—केन्द्रीय सरकार, संलग्न सूची में दिए हुए संगमों द्वारा श्रिषम संविदा (विनियमन) श्रिष्टिनयम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के श्रधीन मान्यता के लिए किए गए श्रावेवनों पर, वायदा बाजार ब्रायोग के परामर्श से विश्वार करके श्रौर यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना ब्यापार के हित में श्रौर लोकहित में भी होगा, एतद्दारा उक्त श्रिष्टिनयम की धारा 6 बारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त संगमों को गुड़ में श्रीप्रम संविदाशों के बारे में, 10 श्रगक्त, 1970 से लेकर 9 श्रगस्त, 1973 तक (जिसमें ये दोनों भी सम्मिलित हैं) की तीन वर्ष की कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

 एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के भ्रष्टमधीन है कि उक्त संगम ऐसे निर्देशों का भ्रमु-पालन करेंगे जो वायदा ब जार आयोग द्वारा समय समय पर विष् जाए ।

संगमों के नाम

- 1. विजय ब्यौपार चम्बर लिमिटेड, मञ्जपफरनगर
- 2. कैंसरगंज व्यौपार कम्पनी लिमिटेड, मेरठ।
- चम्बर झात कत्मर्स, हापुड़ा
- 4. श्रागरा भर्चेण्ट्स चैम्बर लिमिटेड, श्रागरा।
- 5. लुधियाना ग्रेन एक्सचेन्ज लिमिटेड, लुधियाना ।
- 6. इंडिया एक्सचेन्ज लिमिटेड, श्रमुतसर।
- 7. तिजारती चेम्बर सर्राफा, व्यावर ।
- 8. शाहूपुरी फावर्ड एवसचेन्ज लिमिटेड, कोल्हापुर ।

[सं० 12 (4)-धाई० टी०/70-III] भार० के० तलवार, संयुक्त सचिव।